प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विज्ञान अकादमियों द्वारा प्रायोजित रिफ्रेशर पाठ्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। २० जून, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आज से प्रायोगिक भौतिकी पर एक रिफ्रेशर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। यह पाठ्यक्रम इण्डियन नेशनल साइंस अकादमी, नई दिल्ली; इण्डियन एकेडमी ऑफ साइंसेस, बंगलौर; एवं द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेस, इलाहबाद, द्वारा प्रायोजित किया गया है। पाठ्यक्रम का उदघाटन सत्र महाविद्यालय के पर्यावरण विभाग स्थित सेमीनार हॉल में आयोजित हुआ। इसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, थे तथा विशिष्ठ अतिथि इन्दिरा गांधी सेंटर फार एटोमिक रिसर्च, कलपक्कम, तमिलनाडू, के वैज्ञानिक, डा. सी.एस. सुन्दर, थे। डा. सुन्दर इस पाठ्यक्रम के समन्वयक भी हैं।

कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, ने अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में कहा कि यह पाठ्यक्रम एक नवीन किस्म का पाठ्यक्रम है जिसे तीन विज्ञान अकादमियों के सहयोग से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रायोगिकी भौतिकी सिद्धांतों को प्रयोगो के द्वारा प्रतिपादित करने का विज्ञान है। अनेक भौतिकविद जैसे गैलीलियो, न्यूटन, आईंस्टीन आदि ने सिद्धांतों को प्रयोगो के आधार पर सिद्ध किया है। कुलसचिव ने इस पाठ्यक्रम से प्रतिभागियों की दक्षाता में वृद्धि की आशा जताई। डा. शर्मा ने कहा कि प्रतिभागियों का पाठ्यक्रम के विशेषज्ञयों के साथ अधिक से अधिक जुडाव उनके शिक्षाण एवं शोध में सहायता करेगा। कुलसचिव ने पंतनगर विश्वविद्यालय की विशेषताओं के बारे में भी उपस्थित जनों को अवगत कराया।

पाठ्यक्रम समन्वयक डा. सी.एस. सुन्दर ने बताया कि यह पाठ्यक्रम मूल रूप से प्रसिद्ध भौतिकविद, डा. आर. श्रीनिवासन, द्वारा डिजाइन किया हुआ है, जिसमें यांत्रिकी, चुम्बकत्व, शिथिलीकरण आदि पर प्रयोग सम्मलित है। उन्होंने बताया कि आकादमियों द्वारा इस पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न उपकरणों का अनुदान भी दिया जाता है। भौतिकी विभाग में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक, डा. आर.सी. श्रीवास्तव, ने इस पाठ्यक्रम के बारे में अन्य जानकारियां दी।

उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. ए.के. शुक्ला, ने सभी का स्वागत करते हुए अपने महाविद्यालय के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में १२ एमएससी एवं १० पीएचडी पाठ्यक्रमों के साथ-साथ बीटेक (बायोटेक) का स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने इस पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में सह पाठ्यक्रम समन्वयक, डा. गगन दीक्षित, ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रिफ्रेशर पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते मुख्य अतिथि एवं कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा